भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान

पंच मार्ग, यारी रोड , अंधेरी पश्चिम, मुंबई 400 061

प्रेस नोट

भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (ICAR-CIFE) मुंबई देश में मात्स्यिकी विषय पर उच्च शिक्षा प्रदान करने के क्षेत्र में उत्कृष्ठता का केंद्र है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जो मात्स्यिकी के 11 विशिष्ट विषयों में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. की डिग्री प्रदान करता है। इसने देश में मछली पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई प्रौद्योगिकियों का विकास किया है।

भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने 21 फरवरी 2026 को छात्रों को डिग्रियाँ प्रदान करने के लिए अपना 19वाँ दीक्षांत समारोह मनाया। इस दीक्षांत समारोह में, संस्थान के निदेशक एवं कुलपति, डॉ. एन. पी. साहू ने 94 स्नातकोत्तर एवं 49 पीच.डी. छात्रों को डिग्रियाँ प्रदान की।

इस समारोह के मुख्य अतिथि, डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा कृ अनु प, नई दिल्ली ने इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को गोल्ड मेडल प्रदान किए तथा दीक्षांत भाषण प्रस्तुत किए। भा कृ अनु प के उप महानिदेशक (मात्स्यिकी विज्ञान) एवं शिक्षा विभाग के प्रभारी उप महानिदेशक डॉ. जॉयकृष्णा जेना भी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने भारत में लगभग 30 मिलियन लोगों को रोज़गार प्रदान करने वाले और तेज़ी से बढ़ने वाले मात्स्यिकी क्षेत्र को समर्थन करने में व्यावसायिक मात्स्यिकी शिक्षा क्षेत्र की भूमिका की सराहना की। दुनिया भर में, कैप्चर फिशरीज़ और जलकृषि मत्स्य उत्पादन में योगदान दे रहे हैं, जो एक बड़े बदलाव का संकेत है, जिसमें ज़्यादा ज़ोर आधुनिक जलकृषि उत्पादन प्रणाली पर है जो पानी एवं ऊर्जा को

बचाते हैं और पुनरुपयोग करते हैं तथा आनुवांशिक रूप से बेहतर नस्ल, कुशल आहार एवं स्वास्थ्य प्रबंधन पद्धतियों का इस्तेमाल करता है। यह बात मात्स्यिकी क्षेत्र के पेशेवरों के लिए सुनहरा अवसर है, क्योंकि इससे वे सफल उद्यमी बन सकते हैं। उन्हें इस सरकार द्वारा लाए गए तेज़ी से बढ़ते स्टार्ट-अप योजनाओं से फ़ायदा उठाना चाहिए। वास्तव में, के मा. शि सं., दूसरे भा कृ अनु प मात्स्यिकी संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों ने उन्नत तकनीकें विकसित की हैं जो उद्यम को बढ़ावा दे सकती हैं । उन्होंने छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए CIFE के प्रयासों की सराहना की जो भारत को एक सेवा अर्थव्यवस्था से ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने में योगदान देगा और 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के सपने को पूरा करेगा।

2025 में, मछली उत्पादन 197.75 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। भारत दुनिया में मछली का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है जो वैश्विक मछली उत्पादन में 8% का योगदान देता है। मत्स्य पालन और जलीय कृषि भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.24% योगदान करते हैं। 2023-2024 में भारतीय मत्स्य निर्यात 16.98 लाख टन तक पहुंच गया, जिसकी कीमत 62,408 करोड़ रुपये थी। मत्स्य क्षेत्र ने 2014-15 से प्रति वर्ष 11% से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना (PM-MKSSY) शुरू की है। किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी मछुआरों और मछली-पालकों को दी गई है। अब, बहुभाषी एआई टूल 'भारत-विस्तार' प्रस्तावित है, जो एग्रीस्टैक पोर्टल और भा.कृ.अनु.प. पैकेज को एआई प्रणाली के साथ समेकित करेगा। भारत को दुनिया में अच्छी गुणवत्ता वाली मछलियों के सर्वश्रेष्ठ उत्पादक और ग्राहक बनाने की इस परिवर्तनकारी सफर में मात्स्यिकी शिक्षा एवं पेशेवरों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है।

उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले और पदक जीतने वाले छात्रों को बधाई दी तथा केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उच्च क्षमता को कायम रखने का आह्वान किया

ICAR-CIFE
XIX Convo
भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
ICAR-CIFE, Mumbai

HERBAL BIOSHIELD
"BIOSECURE HATCHERY"
XIX Convocation

ICAR-CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION